“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

(मरकुस 4:35–36)

उसी दिन साँझ होने पर यीशु ने अपने चेलों से कहा, “आओ, झील के उस पार चलें।” वे भीड़ को छोड़कर उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए। और उसके साथ और भी नावें थीं।

यह छोटा-सा लेकिन अत्यंत गहन वचन हमें यीशु मसीह की मानवता और उसके मिशन-केंद्रित जीवन की एक स्पष्ट झलक देता है। पूरे दिन भीड़ को सिखाने के बाद यीशु न तो विश्राम के लिए रुकते हैं और न ही सुविधा की खोज करते हैं—वे जैसे थे, वैसे ही अगले कार्य की ओर बढ़ जाते हैं।

यीशु की मानवता और बलिदान

“जैसा वह था” — यह वाक्य यीशु की सच्ची मानवता को दर्शाता है। वह थकान, भूख और भावनात्मक दबाव से होकर गुज़रे। यह देहधारण के सिद्धांत के पूर्णतः अनुरूप है, जैसा लिखा है:

“वचन देह बना और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में रहा।”

“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

(यूहन्ना 1:14)

यूहन्ना 4 में हम इसे फिर देखते हैं, जब यीशु सामरी स्त्री से याकूब के कुएँ पर मिलते हैं:

“वहाँ याकूब का कुआँ था। यीशु यात्रा से थककर कुएँ के पास
बैठ गए। यह लगभग दोपहर का समय था।”
(यूहन्ना 4:6)

यीशु सचमुच थके हुए थे—जैसे हम सब होते हैं। फिर भी जब वह स्त्री आई, तो यीशु ने अपने आराम या भोजन को प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि उसके आत्मिक आवश्यकता की ओर ध्यान दिया। जब चेले भोजन लेकर लौटे, तो उन्होंने कहा:

“मेरे पास खाने के लिए ऐसा भोजन है जिसे तुम नहीं जानते।” (यूहन्ना 4:32)

यह मसीह की आज्ञाकारिता को प्रकट करता है:

“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“उसने अपने आप को दीन किया और मृत्यु तक, हाँ, क्रूस की
मृत्यु तक आज्ञाकारी रहा।”
(फिलिप्पियों 2:6–8 का सार)

यीशु ने सदा पिता की इच्छा को अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं से ऊपर रखा।

मिशन की तात्कालिकता

मरकुस 4 में यीशु विश्राम की माँग नहीं करते। रात में झील पार करने का निर्णय परमेश्वर के कार्य की तात्कालिकता को दर्शाता है। यीशु के कार्य आराम से नहीं, बल्कि पिता की इच्छा से संचालित थे:

“पुत्र अपने आप से कुछ नहीं कर सकता, केवल वही करता है जो वह पिता को करते हुए देखता है।”
(यूहन्ना 5:19)

“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

चेलों द्वारा यीशु को “जैसा वह था” वैसे ही ले जाना हमें यह सिखाता है कि सेवकाई हमेशा सुविधाजनक या पूर्ण स्थिति में नहीं होती। सुसमाचार पूर्णता से नहीं, बल्कि विश्वास और आज्ञाकारिता से आगे बढ़ता है।

यीशु इतने थके हुए थे कि आँधी के बीच भी नाव में सो गए:

“यीशु नाव के पिछले भाग में तकिये पर सो रहे थे।”
(मरकुस 4:38)

यह उसकी वास्तविक मानवता और पिता पर उसके पूर्ण भरोसे को दर्शाता है।

यह हमें क्या सिखाता है?

“यीशु मसीह कल, आज और सदा एक सा है।”
(इब्रानियों 13:8)

“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

जिस तत्परता के साथ वह तब आगे बढ़े, वही तत्परता आज भी है।

अक्सर हम सोचते हैं कि परमेश्वर हमें उपयोग करने से पहले हमें पूरी तरह तैयार होना चाहिए—लंबे उपवास, सिद्ध प्रार्थनाएँ, गहरा बाइबल ज्ञान या प्रशिक्षण। ये सब महत्वपूर्ण हैं:

“अपने आप को परमेश्वर के सामने खरा ठहराने का प्रयत्न कर।”
(2 तीमुथियुस 2:15)

लेकिन ये शर्त नहीं हैं। परमेश्वर हमसे हमारी उपलब्धता और आज्ञाकारिता चाहता है।

“मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है।”
(2 कुरिन्थियों 12:9)

“हम दृष्टि से नहीं, विश्वास से चलते हैं।”
(2 कुरिन्थियों 5:7)

“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

जैसे चेलों ने यीशु को जैसा वह था वैसे ही नाव में लिया, वैसे ही हमें भी उसे जैसे हम हैं वैसे ही ग्रहण करके उसके पीछे चलना है।

प्रतीक्षा मत करो — अभी चलो

जब यीशु ने बारहों को भेजा, तो उसने उन्हें संसाधन नहीं दिए, बल्कि अपना अधिकार और अपनी उपस्थिति दी:

“अपने कमरों में न सोना, न चाँदी, न ताँबा लेना… क्योंकि
मजदूर अपनी मजदूरी का हकदार है।”
(मत्ती 10:9–10)

यह हमें सिखाता है कि मिशन में हमारी निर्भरता परमेश्वर पर होनी चाहिए, न कि हमारी तैयारी पर।

आज भी यीशु हमसे पूर्णता की अपेक्षा नहीं करता। वह बस कहता है: “मुझे जैसा मैं हूँ, वैसे ही ले लो — और चलो।”

इच्छा का आह्वान

“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

यीशु को “जैसा वह था” वैसे ही लेना केवल एक ऐतिहासिक तथ्य नहीं, बल्कि चेलाई का सिद्धांत है। क्या हम भी उसी भरोसे और तत्परता से उसका अनुसरण करने को तैयार हैं?

“पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो, तो ये
सब वस्तुएँ तुम्हें मिल जाएँगी।”
(मत्ती 6:33)

आइए हम प्रतीक्षा करना छोड़ दें।
आइए हिचकिचाना छोड़ दें।
आइए यीशु को—जैसा वह है—वैसे ही ग्रहण करें और उसके पीछे चलें।

प्रभु हमें ऐसे हृदय दे जो हर समय और हर परिस्थिति में उसकी सेवा के लिए तैयार हों।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:

“वे उसे जैसा वह था, वैसे ही नाव में अपने साथ ले गए।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

WhatsApp